भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2845

सोमवार, 21 मार्च, 2022/30 फाल्गुन, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में थीम आधारित पर्यटक सर्किट का एकीकृत विकास

+2845. श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:

श्री एस. मुनिस्वामी:

श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले:

डॉ. उमेश जी. जाधव:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या थीम आधारित पर्यटक सर्किट के एकीकृत विकास के लिए शुरू की गई स्वदेश दर्शन योजना में कर्नाटक राज्य से कोई पर्यटक सर्किट शामिल नहीं है;
- (ख) क्या सरकार, कर्नाटक राज्य में ऐसे किसी सर्किट का पता लगा रही है;
- (ग) क्या निकट भविष्य में कर्नाटक राज्य में धार्मिक महत्व के कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर इस संबंध में विचार करने की योजना है;
- (घ) क्या सरकार का कर्नाटक राज्य के विशाल आकार को देखते हुए निकट भविष्य में इस योजना के लिए राज्य हेतु धनराशि स्वीकृत करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ.) क्या सभी राज्य इस योजना के दायरे में आते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी क्षेत्र-वार और जनसंख्या-वार ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो क्या सभी राज्यों को एक समान कवरेज दी जाएगी?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ.) : पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत कर्नाटक राज्य में किसी पर्यटन परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है तथापि पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के अंतर्गत 31 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों में 76 परियोजनाओं को पहले ही स्वीकृति दे दी है। पर्यटन मंत्रालय ने अब गंतव्य एवं पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए देश में नई परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय अपनी 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' योजना के अंतर्गत अभिज्ञात तीर्थस्थानों तथा विरासत गंतव्यों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु परियोजनाओं को भी स्वीकृति देता है।

पर्यटन का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है । पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत प्रस्ताव की प्रस्तुति के लिए कर्नाटक राज्य सरकार को सुझाव दिया था । कर्नाटक राज्य सरकार ने प्रशाद योजना के तहत मैसूर में श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर के विकास हेतु अवधारणा प्रस्ताव प्रस्तुत किया है । 10 फरवरी, 2022 को चामुंडेश्वरी मंदिर स्थल का दौरा किया गया था और राज्य सरकार ने प्रशाद योजना के तहत परियोजना के आगे अनुमोदन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करने का लक्ष्य निर्धारित किया है ।